अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) महोदय, आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 30.05.2025 को आयोजित जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक का कार्यवृत्त।

अपर जिलाधिकारी(नमामि गंगे) महोदय, आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 30.05.2025 को जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक विकास भवन स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा, सनरत सहायक अभियंता, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), शैलेन्द्र कुमार डी.आई.ओ दिनांग, करनपाल अधिशासी अभियंता, सिंचाई विभाग, ललित कुमार, वन क्षेत्राधिकारी, वन विभाग, मनीष कुमार, डी.पी.आर.ओ शशांक शेखर सिंह, भूगर्भ जल विभाग, ललित कुमार सहायक अभियंता, नलकूप विभाग, सुजित कुमार, डी.आई.ओ. एस, विभाग महेश चन्द्र बी.एस, ए ऑफिस वीरेन्द्र, लघु सिंचाई विभाग, श्री रविन्द्र जैन, डीपीएम, टीसीआई, श्री आनन्द कुमार सिंह, जिला समन्वयक, डीपीएमयू, कार्यदायी संस्था मै एन0सी0सी0 लि0 से श्री रमेश कृष्णा, डीजीएन, मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 से श्री बजराला नवीन, पीएम श्री दीपन, डीपीएम और श्री बलदेव यादव इंजी0 आदि उपस्थित रहे।

बैठक में सतही स्त्रोत आधारित ग्राम समूह पेयजल योजना की प्रगति पर एजेन्सीवार चर्चा की गयी –

मै0 एन0सी0सी0–एपको(जे0वी0), पैकेज–01

1. **भूमिगत जलाशय (CWR) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा कुल 17 सी0डब्लू0आर0 का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी है। 09 सीडब्लूआर पर 51–75 प्रतिशत एवं 08 सीडब्लूआर पर 76–99 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा डी.जी.एम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही निर्देशित किया गया कि टीपीआई तथा जल निगम के अभियन्ताओं द्वारा आरएमसी प्लांट पर निर्माण सामग्री की नियमित जॉच की जाये।

2. **पम्प हाउस (Pump House) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा 17 सीडब्लूआर पर 17 पम्प हाउस का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 09 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर 51–75 प्रतिशत एवं 08 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर 76–99 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा डीजीएम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये।

3. **पाइप लेइंग** – अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था को कुल 1987.71 किमी पाइप बिछाये जाने का लक्ष्य है जिसमें से MS Pipe 165.31 किमी0 एवं DI Pipe 1902.40 किमी0 बिछाया जाना प्रस्तावित है MS Pipe 148.68 किमी0 एवं DI Pipe 1347.62 किमी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा MS Pipe 54.60 किमी0 एवं DI Pipe 872.2 किमी0 पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। अध्यक्ष महोदय द्वारा डीजीएम एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि शेष पाइप की आपूर्ति कर ली जाये तथा टीम व मैनपावर की संख्या बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

4. **हाइड्रोटेस्टिंग–** समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 926.8 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 148.04 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर अद्योहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा डीजीएम, एनसीसी को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की उपस्थिति में की जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप बिछाये जा चुके है सभी को अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार प्रेशर बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये जिससे भविष्य में पानी लीकेज की समस्या न हो।

5. **रोड़ रेस्टोरेशन–** अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 को पाइप लाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त रोड़ की कटिंग उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) एवं सम्बन्धित विभाग को पूर्व सूचित करते हुए NOC लेने के उपरान्त ही कार्य करायें। अध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित सहायक अभियंता/अवर अभियंता, डी0पी0एम0 व टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि वह खोदी गयी पाइप लाइन के रेस्टोरेशन में प्रत्येक 30–30 सेमी0 पर पानी का छिड़काव कराते हुए कॉम्पैक्टर यंत्र के माध्यम से काम्पेक्शन कराकर गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य अपनी देख रेख में पूर्ण करायेंगें। इसके साथ ही ज्वाइंट इन्सपेक्शन

Scanned with OKEN Scanner

कर सम्बन्धित विभाग से अनापत्ति/संतुष्टि प्रमाण पत्र प्राप्त कर अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें। रोड रेस्टोरेशन में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये।

6. **सुरक्षा मानकों के अनुरूप कार्य कराना–** टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन करने में शिथिलता बरती जा रही है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित को सुरक्षा मानकों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए गये। यदि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया तो कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, पैकेज–02

1. **अवर जलाशय (OHT) की प्रगति–** अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजीनियरिंग द्वारा अभी तक 407 के सापेक्ष मात्र 360 ओ0एच0टी0 पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें 150 ओएचटी पर 0–25 प्रतिशत, 98 ओएचटी पर 26–50 प्रतिशत, 79 ओएचटी पर 51–75 प्रतिशत, 33 ओएचटी पर 76–79 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया है शेष 47 ओएचटी पर खुदाई एवं पी0सी0सी0 का कार्य शीघ्र कराना सुनिश्चित करें। अधिशासी अभियंता, उच्च प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया 3173 के सापेक्ष मात्र 584 मैनपावर उपलब्ध है जो कि बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य अत्यन्त धीमी गति से हो रहा है जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा नाराजगी प्रकट करते हुए मै0 मेघा इंजी0 के पीएम को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर बढायें एवं कार्य को समय गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें।

2. **पाइप लेइंग–** अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइप लेइंग के अन्तर्गत कुल 7567.76 किमी पाइप बिछाये जाने का लक्ष्य है जिसमें से कुल 6297.47 किमी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा कुल 3829.00 किमी पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा डीपीएम मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि वह शेष डिस्ट्रीब्यूशन पाइप की आपूर्ति को लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा टीम व मैन पावर की संख्या बढाते हुए गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि पाइप बिछाये जाने के दौरान लेइंग की गहराई का विशेष ध्यान रखते हुए मानक के अनुसार कार्य कराना सुनिश्चित करें।

3. **हाइड्रोटेस्टिंग–** समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 3829.00 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 918.60 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा पीएम, मेघा इंजी0 को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की ज्वांइट उपस्थिति में की जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप बिछाये जा चुके है सभी की अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार प्रेशर बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये जिससे भविष्य में पानी लीकेज की समस्या न हों।

4. **एफ0एच0टी0सी0 की स्थिति–** अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद आगरा में कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजीनीयरिंग को 810 राजस्व ग्रामों में कुल 296833 एफ0एच0टी0सी0 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष संस्था द्वारा 89352 एच0टी0सी0 कनेक्शन दिये गये। जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा नाराजगी प्रकट की एवं मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देश दिये गये कि मशीनरी व लेबर की संख्या बढ़ाते हुए नल संयोजन की गति को तीव्र कराए। हाउस टैप कनेक्शन को घर के अन्दर तक पहुंचाया जाए एवं स्कूलों, पंचायतों भवनों आंगनबाडी केन्द्रो व अन्य सरकारी भवनों पर भी नियमानुसार नल संयोजन करायें जाए तथा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक दशा में एच0टी0सी0 कनेक्शन घर के अन्दर ही हो।

5. **रोड़ रेस्टोरेशन–** अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग पाइप लाइन बिछाने के दौरान सी0सी0 रोड़ की कटिंग जे0सी0बी0 से न कराकर रोड़ कटर से करायें व कॉम्पेक्टर के माध्यम से पूर्ण कॉम्पैक्शन करायें। डामरीकृत रोड़ की कटिंग उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) एवं सम्बन्धित विभाग को पूर्व सूचित करते हुए NOC लेने के उपरांत कार्य कराना सुनिश्चित करे। अध्यक्ष महोदय द्वारा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम, मै0 मेघा इंजी0 व टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि वह खोदी गयी सड़क के रेस्टोरेशन में प्रत्येक 30–30 सेमी0 पर पानी का छिड़काव कराते हुए कॉम्पेक्टर के माध्यम से काम्पेक्शन करायें। गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य अपनी देख रेख में पूर्ण करायेगें। रोड़ रेस्टोरेशन मानक के अनुसार सी0सी0, बी0ओ0ई0, इण्टरलॉकिंग रोड़ का कार्य अनिवार्य रूप से कराया जाए।

Scanned with OKEN Scanner

6. **एन0ओ0सी0–** अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी0 द्वारा एन0ओ0सी0 के कार्यों में रूचि नहीं ली जा रही है वन विभाग में NOC के लिए मै0 मेघा इंजी0 द्वारा ऑनलाइन आवेदन नही किया गया। अत: मै0 मेघा इंजी0 के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि वन विभाग की एन0ओ0सी0 तत्काल अप्लाई करें। इसके साथ–साथ अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि एनओसी के सम्बन्ध मे यह देख ले कि मै0 एनसीसी व मै0 मेघा इंजी0 में आवेदन हेतु यदि कोई एनओसी लम्बित है तो तत्काल अप्लाई करायें।

7. **सुरक्षा मानकों के अनुरूप कार्य कराना–** अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजीनियरिंग द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए डीपीएम मेघा इंजी0 को निर्देशित किया कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करें। यदि सुरक्षा मानको का पालन नही किया गया तो कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चत करायें।

/

अधिशासी अभियन्ता/सदस्य सचिव
(जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन)
आगरा

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा।

पत्रांक 691 / बैठक / दिनांक 06.06.2025

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. जिलाधिकारी महोदय, आगरा को सादर अवलोकनार्थ।
2. मुख्य विकास अधिकारी महोदया, आगरा को सादर अवलोकनार्थ।
3. समस्त सदस्य, जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, आगरा।
4. डी0जी0एम0, मैसर्स एन0सी0सी0 एवको (जे0वी0) (पैकेज-1), आगरा को अनुपालनार्थ।
5. प्रोजेक्ट मैनेजर मैसर्स मेघा इंजी0 एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 (पैकेज–2), आगरा को अनुपालनार्थ।

अधिशासी अभियन्ता/सदस्य सचिव

Scanned with OKEN Scanner